कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-3 : नात्सीवाद और हिटलर का उदय

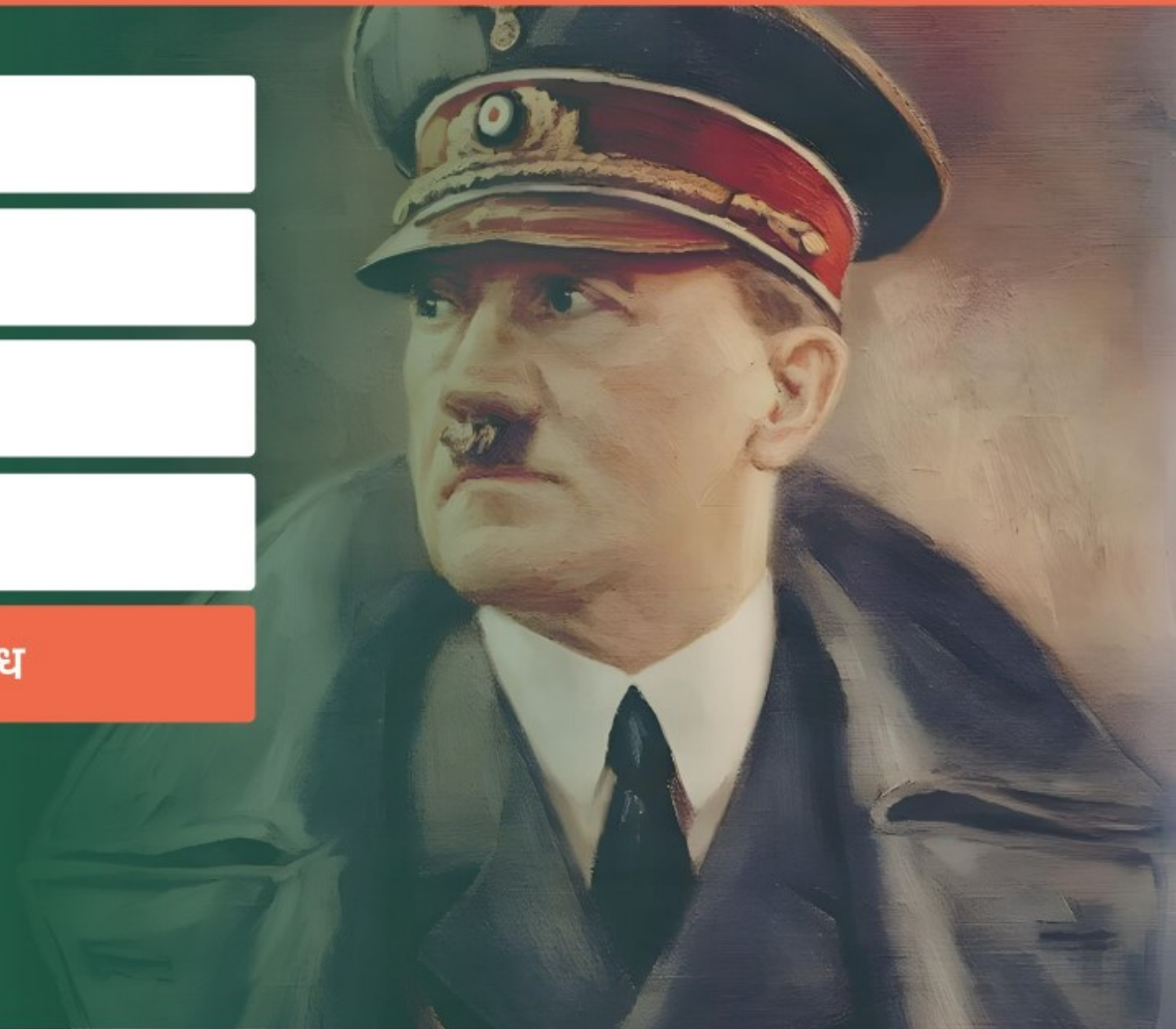
भाग-5
आम जनता और मानवता के खिलाफ़ अपराध

निर्मल सिंह



विवरण (Overview)

1. वाइमर गणराज्य का जन्म
2. हिटलर का उदय
3. नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण
4. नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति
5. आम जनता और मानवता के खिलाफ़ अपराध



योग्यता आधारित शिक्षण (Competency)

नात्सीवाद पर आम लोगों की प्रतिक्रिया



आम जनता और मानवता के खिलाफ़ अपराध



आम जनता और मानवता के खिलाफ अपराध

- लोग नात्सी शब्दाडम्बर और धुआँधार प्रचार का शिकार हो गए।
- किसी यहूदी से आमना-सामना हो जाने पर उन्हें अपने भीतर नफ़रत और गुस्से का अहसास होता था।
- उन्होंने यहूदियों के घरों के बाहर निशान लगा दिए।

- जिन पड़ोसियों पर शक था उनके बारे में पुलिस को भी सूचित कर दिया गया।
- उन्हें पक्का विश्वास था कि नात्सीवाद ही देश को तरक्की के रास्ते पर लेकर जाएगा।
- यही व्यवस्था सबका कल्याण करेगी।
- लेकिन जर्मनी का हर व्यक्ति नात्सी नहीं था।

- पुलिस दमन और मौत की आशंका के बावजूद बहुत सारे लोगों ने नात्सीवाद का जमकर विरोध किया।
- लेकिन जर्मन आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा नात्सीवाद का विरोध करने से डरता था।
- पादरी नीम्योलर ने नात्सियों का लगातार विरोध किया।

☛ गेस्तापो की दहशतनाक कार्यशैली और कुकृत्यों पर निशाना साधते हुए इस खामोशी के बारे में उन्होंने बड़े मर्मस्पर्शी ढंग से लिखा है :

'पहले वे कम्युनिस्टों को ढूँढ़ते आए,
मैं कम्युनिस्ट नहीं था
इसलिए मैंने कुछ नहीं कहा।
फिर वे सोशल डेमोक्रैट्स को ढूँढ़ते आए.
मैं सोशल डेमोक्रैट नहीं था
इसलिए चुप रहा।

इसके बाद वे ट्रेड यूनियन वालों को ढूँढ़ते आए,
पर मैं ट्रेड यूनियन में नहीं था।
और फिर वे यहूदियों को ढूँढ़ते आए,
लेकिन मैं यहूदी नहीं था इसलिए मैंने कुछ नहीं किया।
फिर, अंत में जब वह मेरे लिए आए
तो वहाँ कोई नहीं बचा था जो मेरे साथ खड़ा हो सके।'

- शार्लट बेराट ने अपनी डायरी को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया।
- इस पुस्तक का नाम है थर्ड राइख़ ऑफ़ ड्रीम्स।
- शार्लट ने इस किताब में बताया है कि एक समय के बाद खुद यहूदी भी अपने बारे में नात्सियों द्वारा फैलाई जा रही रूढ़ छवियों पर यकीन करने लगे थे।

- नात्सी प्रेस में यहूदियों की जो छवियाँ और तस्वीरें छपती थी, वे दिन-रात यहूदियों का पीछा कर रही थी।
- बहुत सारे यहूदी गैस चेंबर में पहुंचने से पहले ही दम तोड़ गए।

महाध्वंस (होलोकॉस्ट) के बारे में जानकारियाँ

- महाध्वंस (होलोकॉस्ट) उन भीषण कत्लेआमों, अत्याचारों और पीड़ाओं को कहा गया है जो यहुदियों ने नात्सी शासन के दौरान झेली थी।
- नात्सी शासन के दमनचक्र की गवाही देने और जो दस्तावेज़ हाथ आए उन्हें बचाए रखने की अदम्य चाहे घेटो और कैंपों में नारकीय जीवन भोगने वालों में देखी जा सकती थी।

- उनमें से बहुतों ने डायरियाँ लिखी, नोटबुक लिखी और दस्तावेजों के संग्रह बनाए।
- दुनिया के बहुत सारे हिस्सों में स्मृति लेखों, साहित्य, वृत्तचित्रों, शायरी, स्मारकों और संग्रहालयों में इस महाध्वंस का इतिहास और स्मृति आज भी जिंदा है।



वॉरसा घेटो के निवासियों ने दस्तावेज़ इकट्ठा किए और उन्हें दूध के तीन टिनों में रख दिया। ये कनस्तर 1950 में लोगों के हाथ लगे।



डेनमार्क ने अपने यहूदियों को चोरी-छिपे जर्मनी से निकाल लिया था। इस काम के लिए इस्तेमाल की गई नौकाओं में से एक

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. नात्सियों का दमनचक्र
2. होलोकॉस्ट



मूल्यांकन (Assessment)

1 | थर्ड राइख़ ऑफ़ ड्रीम्स नामक पुस्तक किसने लिखी?

अ शार्लट बेराट

ब हिटलर

स गेस्तापो

द इनमें से कोई नहीं



मूल्यांकन (Assessment)

2 होलोकॉस्ट क्या है?

अ जर्मनी का एक त्योहार

ब जर्मनी का वार्षिक उत्सव

स नात्सी कत्लेआम (महाध्वंस)

द सैन्य उपाधि



मूल्यांकन (Assessment)

3 ‘द नात्सीज़ः ए वार्निंग फ्रॉम हिस्ट्री’ वृत्तचित्र किसके द्वारा निर्मित है?

अ लॉरेंस रीस

ब नीम्योलर

स शार्लट बेराट

द हिटलर



मूल्यांकन (Assessment)

4 जर्मनी का हर व्यक्ति नात्सी बन चुका था, किसी ने नात्सीवाद का विरोध नहीं किया।

अ सत्य

ब असत्य



मूल्यांकन (Assessment)

5 ..... ने नात्सियों का लगातार विरोध किया।

नीम्योलर

